an>

Title: Need to formulate a detailed plan for harnessing the large water bodies in coal mines in the country particularly in Dhanbad, Giridih and Hazaribagh districts of Jharkhand.

श्री रवीन्द्र कुमार राय (कोडरमा) ः मैं सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। कोयला खदानों में उत्खनन के बाद नीचे लाखों गैलेन पानी जमा होता है। विशेषकर भूमिगत खदानों के अंदर कई दुर्घटनाएÃ¬ भी होती हैं, जिसमें कई लोगों की जान भी गई है। बड़ी मात्रा में उपलब्ध जल का कोई उपयोग नहीं हो रहा है। इनका उपयोग अनेक प्रकार से किया जा सकता है जैसे कृषि के लिए सिंचाई, पेयजल के लिए जलापूर्ति आदि। अधिक मात्रा में पानी से ऊर्जा उत्पादन का कार्य भी आधुनिक तकनीक से किया जा सकता है। देश में बढ़ते हुए जल संकट को देखते हुए खासकर झारखंड जैसे राज्य में जहां धनबाद, गिरिडीह व हज़ारीबाग जैसे जिले जहां बी.सी.सी.एल., सी.सी.एल. जैसी अनेकों खदानें जल से भरी पड़ी हैं। मेरा माननीय कोयला मंत्री जी से अनुरोध है कि विशेषज्ञों का दल गठित कर व जल संसाधन विभाग के साथ मिलकर इस पानी के उपयोग हेतु एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें।